वर्ष 1981–82 के दौरान इस शोधनशाला में उत्पादित विभिन्न उत्पादों की मात्रा नीचे दी गयी है :

("000टनों में)

उत्पाद	मात्रा
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एल० पी० जी०)	25
नेफ्था	388
मोटर स्पिरिट	152
मिट्टी का तेल उच्च किस्म का (एस० के०)	251
हाई स्पीड डीजल तेल (एच० एस० डी०)	1175
लाईट डीजल तेल (एल० डी० ओ०)	210
ईंधन तेल (एफ० ओ०)	8
लो सल्फर हैवी स्टाक (एल० एस० एच० एस०)	393

जबकि मोटर स्पिरिट, एस० के० ओ०, एच० एस० डी०, एल० पी० जी०, एल० डी० ओ०, एफ० ओ० जैसे उत्पादों का औद्योगिक घरेलू ईंधन के रूप में प्रयोग होता है, नेफ्था तथा एल० एस० एच० एस० जैसे उत्पादों का उर्वरक फीड स्टाक के रूप में प्रयोग होता है। एल० एस० एच० एस० का मुख्य रूप से पावर घरों तथा स्टील संयंत्रों में ईंधन के रूप में प्रयोग होता है । अन्य उत्पादों का जैसे कि खनिज पेट्रोलियम कोक, निश्चूर्ण पेट्रोलियम, कोक, कार्बन ब्लैक फीडस्टाक तथा स्लैक मोम का विभिन्न औद्योगिक प्रयोजनों के लिये जैसे कि निश्चूर्ण संयंत्रों में, अल्यूमीनियम उद्योग, कार्बन ब्लैक निर्माण में फीडस्टाक के रूप में तथा विभिन्न प्रकार के तैयार मोम के उत्पादन में जिनका बड़ी संख्या में उद्योगों द्वारा उपयोग किया जाता है, प्रयोग किया जाता है।

(ग) बिहार में पेट्रो-रसायन संयंत्रों की स्थापना के प्रस्तावों की जांच की जा रही है।

Chairman D.V.C.

368. SHRI ARABINDA GHOSH: Will the Minister of ENERGY be pleased to state;

(a) whether any action has been taken against the Chairman of D.V.C. who as a public servant had gone to the press and described the remarks of the Chief Minister of West Bengal as 'politically motivated'; and

(b) if so, what are the details in thie regard?

THE MINISTER OF STATE IN! THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) and (b) Chairman, D.V.C,[1]. has been advised not to make comments in the press which are not compatible with the role and function of a civil servant.

Telecast of programme from re-corded video sets by a private company

369. SHRIMATI SAROJ KHAPAR DE: Will the Ministerl of INFOR MATION AND BROADCASTING be pleased to state: >^

(a) whether i't is a fact that a private company has started telecasting of programmes from recorded video sets in Bombay;

(b) if so, whether the company has obtained the Government's permission in the matter;

(c) whether it is legal for any private organisation to undertake televising of such programmes; and

(d) what action is being contemplated by Government in the matter? j